इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in

माता रानी के भजन

भगतो को दर्शन दे गयी रे एक छोटी सी कन्या

भगतो को दर्शन दे गयी रे एक छोटी सी कन्या

छोटी सी कन्या, एक छोटी सी कन्या

भक्तो ने पुछा मैया नाम तेरा क्या है

वैष्णो नाम बता गयी रे एक छोटी सी कन्या

भक्तो ने पुछा मैया धाम क्या है

परबत त्रिकुट बता गयी रे एक छोटी सी कन्या

भक्तो में पुछा मैया सवारी तेरी क्या है

पीला शेर बता गयी रे एक छोटी सी कन्या

भक्तो में पुछा माँ प्रशाद तेरा क्या है

हलवा पूरी चना बता गयी रे एक छोटी सी कन्या

भक्तो में पुछा मैया श्रृंगार तेरा क्या है

चोला लाल बता गयी रे एक छोटी सी कन्या

भक्तो में पुछा मैया शस्त्र तेरा क्या है

त्रिशूल चक्र बता गयी रे एक छोटी सी कन्या

भक्तो ने पुछा सबसे प्यारा तेरा क्या है

भक्तो का प्यार बता गयी रे एक छोटी सी कन्या

कभी फुर्सत हो तो जगदम्बे, निर्धन के घर भी आ जाना

कभी फुर्सत हो तो जगदम्बे, निर्धन के घर भी आ जाना

जो रूखा सूखा दिया हमें, कभी उस का भोग लगा जाना

ना छत्र बना सका सोने का, ना चुनरी घर मेरे टारों जड़ी

ना पेडे बर्फी मेवा है माँ, बस श्रद्धा है नैन बिछाए खड़े

इस श्रद्धा की रख लो लाज हे माँ, इस विनती को ना ठुकरा जाना

जो रूखा सूखा दिया हमें, कभी उस का भोग लगा जाना

जिस घर के दिए मे तेल नहीं, वहां जोत जगाओं कैसे

मेरा खुद ही बिशोना डरती माँ, तेरी चोंकी लगाऊं मै कैसे

जहाँ मै बैठा वही बैठ के माँ, बच्चों का दिल बहला जाना

जो रूखा सूखा दिया हमें, कभी उस का भोग लगा जाना

तू भाग्य बनाने वाली है, माँ मै तकदीर का मारा हूँ

हे दाती संभाल भिकारी को, आखिर तेरी आँख का तारा हूँ

मै दोषी तू निर्दोष है माँ, मेरे दोषों को तूं भुला जाना

चलो बुलावा आया है

माता जिनको याद करे, वो लोग निराले होते हैं ।

माता जिनका नाम पुकारे, किस्मत वाले होतें हैं ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

ऊँचे पर्वत पर रानी माँ ने, दरबार लगाया है ।

इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

सारे जग मे एक ठिकाना, सारे गम के मारो का,

रास्ता देख रही है माता, अपने आंख के तारों का ।

मस्त हवाओं का एक झोखा, यह संदेशा लाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

जय माता दी॥ जय माता दी ॥

जय माता की कहते जाओ, आने जाने वालो को,

चलते जाओ तुम मत देखो, अपने पीछे वालों को ।

जिस ने जितना दर्द सहा है, उतना चैन भी पाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

जय माता दी॥ जय माता दी ॥

वैष्णो देवी के मन्दिर मे, लोग मुरादे पाते हैं,

रोते रोते आते है, हस्ते हस्ते जाते हैं ।

मैं भी मांग के देखूं, जिस ने जो माँगा वो पाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

जय माता दी॥ जय माता दी ॥

मैं तो भी एक माँ हूँ माता, माँ ही माँ को पहचाने ।

बेटे का दुःख क्या होता है, और कोई यह क्या जाने ।

इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in

उस का खून मे देखूं कैसे, जिसको दूध पिलाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ।

प्रेम से बोलो, जय माता दी ॥ ओ सारे बोलो, जय माता दी ॥

वैष्णो रानी, जय माता दी ॥ अम्बे कल्याणी, जय माता दी ॥

माँ भोली भाली, जय माता दी ॥ माँ शेरों वाली, जय माता दी ॥

झोली भर देती, जय माता दी ॥ संकट हर लेती, जय माता दी ॥

ओ जय माता दी, जय माता दी ॥

भोर भई दिन चढ़ गया मेरी अम्बे

भोर भई दिन चढ़ गया मेरी अम्बे,

हो रही जय जय कार मंदिर विच आरती जय माँ ।

हे दरबारा वाली आरती जय माँ ।

ओ पहाड़ा वाली आरती जय माँ ॥

काहे दी मैया तेरी आरती बनावा,

काहे दी पावां विच बाती,

मंदिर विच आरती जय माँ ।

सुहे चोलेयाँ वाली आरती जय माँ ।

हे माँ पहाड़ा वाली आरती जय माँ ॥

सर्व सोने दी आरती बनावा,

अगर कपूर पावां बाती,

मंदिर विच आरती जय माँ ।

हे माँ पिंडी रानी आरती जय माँ ।

हे पहाड़ा वाली आरती जय माँ ॥

कौन सुहागन दिवा बालेया मेरी मैया,

कौन जागेगा सारी रात,

मंदिर विच आरती जय माँ ।

सच्चिया ज्योतां वाली आरती जय माँ ।

हे पहाड़ा वाली आरती जय माँ ॥

सर्व सुहागिन दिवा बलिया मेरी अम्बे,

ज्योत जागेगी सारी रात,

मंदिर विच आरती जय माँ ।

हे माँ त्रिकुटा रानी आरती जय माँ ।

हे पहाड़ा वाली आरती जय माँ ॥

जुग जुग जीवे तेरा जम्मुए दा राजा,

जिस तेरा भवन बनाया,

मंदिर विच आरती जय माँ ।

हे मेरी अम्बे रानी आरती जय माँ ।

हे पहाड़ा वाली आरती जय माँ ॥

सिमर चरण तेरा ध्यानु यश गावे,

जो ध्यावे सो, यो फल पावे,

रख बाणे दी लाज,

इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in

मंदिर विच आरती जय माँ ।

सोहनेया मंदिरां वाली आरती जय माँ ॥

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी

दोहा : दरबार तेरा दरबारों में, एक ख़ास एहमियत रखता है ।

उसको वैसा मिल जाता है, जो जैसी नियत रखता है ॥

बड़ा प्यारा सजा है द्वार भवानी ।

भक्तों की लगी है कतार भवानी ॥

ऊँचे पर्बत भवन निराला ।

आ के शीश निवावे संसार, भवानी ॥

प्यारा सजा है द्वार भवानी ॥

जगमग जगमग ज्योत जगे है ।

तेरे चरणों में गंगा की धार, भवानी ॥

तेरे भक्तों की लगी है कतार, भवानी ॥

लाल चुनरिया लाल लाल चूड़ा ।

गले लाल फूलों के सोहे हार, भवानी ॥

प्यारा सजा है द्वार, भवानी ॥

सावन महीना मैया झूला झूले ।

देखो रूप कंजको का धार भवानी ॥

प्यारा सजा है द्वार भवानी ॥

पल में भरती झोली खाली ।

तेरे खुले दया के भण्डार, भवानी ॥

तेरे भक्तों की लगी है कतार, भवानी ॥

लक्खा को है तेरा सहारा माँ ।

करदे अपने सरल का बेडा पार, भवानी ॥

प्यारा सजा है द्वार भवानी ॥